गरवी गुजरात

RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 287
दि. 18.02.2026,
बुधवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

भारत को दुनिया की टॉप तीन एआई सुपरपावर में से एक होना चाहिए: पीएम मोदी

(जीएनएस)।

नई दिल्ली: देश की राजधानी में इंडिया अकइम्पैक्ट समिट 2026 चल रहा है. यह पहली बार है जब ग्लोबल साउथ में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर इतने बड़े पैमाने पर कोई वैश्विक कार्यक्रम हो रहा है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न्यूज एजेंसी अठक को दिए खास इंटरव्यू में "सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय" नाम के तहत होने वाले इस समिट की गाइडिंग स्पिरिट पर जोर दिया. प्रधानमंत्री मोदी ने इस नए दौर के लिए भारत के विजन पर जोर दिया और कहा कि अक को पूरी तरह से मानव-केंद्रित रहते हुए वैश्विक विकास को तेज करना चाहिए.

समिट का मोटो "सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय" (सबका भला, सबकी खुशी) रखने पर पीएम मोदी ने कहा कि अकएक सभ्यतागत बदलाव के बिंदु पर है. यह इंसानी काबिलियत को ऐसे तरीकों से बढ़ा सकता है जो पहले कभी नहीं हुए, लेकिन अगर इसे बिना गाइडेंस के छोड़ दिया जाए तो यह मौजूदा सामाजिक ताने-बाने को भी चुनौती दे सकता है. इसीलिए हमने जानबूझकर इस समिट को प्रभाव के आस-पास बनाया है जो सिर्फ इनोवेशन ही नहीं, बल्कि मतलब वाले और बराबर नतीजे भी सुनिश्चित करती है. गाइड करने वाली भावना, "सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय", भारत की सभ्यतागत सोच को दिखाती है. तकनीक का आखिरी उद्देश्य 'सबका भला, सबकी खुशी' होना चाहिए. तकनीक मानवता की सेवा के लिए है, उसे बदलने के लिए नहीं. यह समिट लोगों, धरती और तरक्की के आस-पास बनी है. अक सिस्टम दुनिया भर के समाजों में पैदा हुए ज्ञान और डेटा पर आधारित हैं. इसलिए, हम चाहते हैं कि अक के फायदे सभी तक पहुंचें, न कि सिर्फ शुरूआती अपनाने वालों तक ही सीमित रहें.

उन्होंने कहा कि ग्लोबल साउथ में आयोजित पहले ग्लोबल एआई समिट के तौर पर, भारत एक ऐसा प्लेटफॉर्म बना रहा है जो कम प्रतिनिधित्व वाली आवाजों और विकास की प्राथमिकताओं को बढ़ावा देता है. अक गवर्नेंस, इनक्लूसिव डेटासेट, जलवायु अनुप्रयोग, कृषि उत्पादकता, जन स्वास्थ्य और कई भाषाओं तक पहुंच हमारे लिए बाहरी मुद्दे नहीं हैं. वे केंद्रीय हैं. हमारा विजन साफ है: अक को पूरी तरह से मानव-केंद्रित रहते हुए वैश्विक विकास को तेज करना चाहिए.

विकसित भारत 2047 विजन में अक की भूमिका के संबंध में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अक भारत के 2047 के विकास के सफर में एक बड़ा बदलाव लाने वाला मौका है. अक का सोच-समझकर, एक रणनीतिक नजरिये से इस्तेमाल करने से, विकास की गहरी चुनौतियों का सामना करने में मदद मिलती है, साथ ही पूरी तरह से नए आर्थिक मौके बनते हैं, सबको साथ लेकर चलने वाला विकास होता है, शहर-गांव के बीच की खाई कम होती है और मौकों तक पहुंच बढ़ती है.

पीएम मोदी ने हेल्थकेयर और शिक्षा में अक के महत्व पर प्रकाश डाला. उन्होंने कहा कि शिक्षा में, भारतीय भाषाओं में अक-पावर्ड पर्सनलाइज्ड लर्निंग प्लेटफॉर्म, गांव और सरकारी स्कूलों के स्टूडेंट्स को कस्टमाइज्ड एकेडमिक सपोर्ट पाने में मदद कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि एक बहुत ही अनोखी पहल में, अमूल कंपनी हजारों गांवों में 36 लाख महिला डेयरी किसानों तक पहुंचने के लिए अक का इस्तेमाल कर रही है, मवेशियों के स्वास्थ्य और उत्पादकता पर गुजराती में रियल-टाइम गाइडेंस दे रहा है, और जमीनी स्तर की महिला उत्पादकों को मजबूत बना रहा है.

उन्होंने कहा कि विरासत को बचाने में भी, अक पुरानी किताबों के डिजिटाइजेशन और अनुवाद को मुमकिन बना रहा है, जिससे भारत के सभ्यता से जुड़े ज्ञान के सिस्टम खुल रहे हैं. ऐसे समय में जब दुनिया अक से बढ़ती दूरियों को लेकर परेशान है, भारत इसका इस्तेमाल दूरियों को मिटाने के लिए कर रहा है. हम इसे हर गांव, हर जिले और हर नागरिक को स्वास्थ्य, शिक्षा और आर्थिक मौके देने के लिए एक अच्छा टूल बना रहे हैं.

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत में अक पावरहाउस बनने के लिए टैलेंट और उद्यमी ऊर्जा है, सिर्फ एक कंज्यूमर के तौर पर ही नहीं, बल्कि एक क्रिएटर के तौर पर भी. हमारे स्टार्टअप, रिसर्च इंस्टीट्यूशन और टेक इकोसिस्टम ऐसे अक सॉल्यूशन बना सकते हैं जो मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ाएंगे, गवर्नेंस को बेहतर बनाएंगे और नई नौकरियां पैदा करेंगे. मुझे पूरा भरोसा है कि हमारे युवा भारतीय हकीकत के लिए अक सॉल्यूशन बना सकते हैं, जो किसानों, टरटए२, महिला उद्यमियों और जमीनी स्तर के इनोवेटर्स के लिए डिजाइन किए गए हैं. हम अपने टैलेंटेड युवाओं की हर कोशिश को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं.

पीएम मोदी ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत की हमारी यात्रा एक बुनियादी सिद्धांत पर बनी है: भारत को सिर्फ टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए, बल्कि उसे बनाना चाहिए. आत्मनिर्भर भारत में अक के लिए मेरा विजन तीन पिलर पर टिका है: संप्रभुता, समावेशिता और इनोवेशन. मेरा विजन है कि भारत दुनिया भर में टॉप तीन अकसुपरपावर में से एक हो, सिर्फ अक के इस्तेमाल में ही नहीं, बल्कि बनाने में भी. हमारे अक मॉडल दुनिया भर में इस्तेमाल किए जाएंगे, जो अरबों लोगों को उनकी अपनी भाषाओं में सर्विस देंगे.

मुंबई में मिले पीएम मोदी और फ्रेंच राष्ट्रपति मैक्रों, द्विपक्षीय बैठक में 20 मुद्दों पर बनी सहमति

(जीएनएस)।

मुंबई में मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के बीच द्विपक्षीय वार्ता हुई. लोकभवन में हुई बैठक में रक्षा, व्यापार, नवाचार और इंडो-पैसिफिक सहयोग सहित क्षेत्रीय व वैश्विक मुद्दों पर सहमति बनी. पीएम मोदी ने अपने हैंडल (पूर्व में ट्विटर) से एक पोस्ट में लिखा, 'मुंबई में अपने मित्र, राष्ट्रपति मैक्रों से मिलकर बहुत खुशी हुई. उन्होंने मुझे बताया कि उन्हें यह शहर बहुत पसंद आया और उन्होंने आज सुबह अपनी वॉक का भी खूब आनंद लिया.' दोनों राष्ट्राध्यक्षों ने यहां लोकभवन में व्यापक द्विपक्षीय वार्ता की, जिसमें भारत और फ्रांस के बीच कई क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने पर सहमति बनी. पीएम मोदी और राष्ट्रपति मैक्रों ने इंडो-पैसिफिक कोऑपरेशन सहित क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा की.

द्विपक्षीय बैठक के बाद पीएम मोदी और राष्ट्रपति मैक्रों ने एक जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया. पीएम मोदी ने कहा, 'भारत और फ्रांस के संबंध बहुत ही विशेष है. फ्रांस भारत के सबसे पुराने रणनीतिक साझेदारों में से एक है. प्रेसिडेंट मैक्रों के साथ मिलकर हमने इस रणनीतिक साझेदारी को अभूतपूर्व गहराई और ऊर्जा दी है. आपसी विश्वास और साझा दृष्टिकोण की नींव पर निर्मित अपने संबंधों को हम अब एक विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक ले जा रहे हैं. भारत और फ्रांस का सहयोग मात्र रणनीति से परे है. इस अशांत समय में, यह वैश्विक स्थिरता और प्रगति के लिए प्रतिबद्ध साझेदारी के रूप में खड़ा है.'

भारत और आयरलैंड ने दूरसंचार तथा उभरती डिजिटल प्रौद्योगिकियों में सहयोग को और मजबूत करने हेतु नई दिल्ली में द्विपक्षीय बैठक आयोजित की

भारतीय पक्ष का नेतृत्व केंद्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने किया, आयरलैंड की ओर से नेतृत्व

आयरलैंड के मंत्री श्री जैक चैम्बर्स ने किया

बैठक में भविष्य के नेटवर्क्स, उभरती प्रौद्योगिकियों तथा डिजिटल अवसंरचना के क्षेत्र में सार्वभौमिक, सार्थक एवं किफायती संपर्क सुनिश्चित करने हेतु रणनीतिक साझेदारी के लिए रूपरेखा तैयार की गई

केन्द्रीय संचार राज्य मंत्री डॉ. पेम्मासानी चंद्रशेखर ने 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' में दूरसंचार को भारत की एआई क्रांति की नींव बताया

दूरसंचार अवसंरचना भारत के एआई विकास को मजबूती देगा: डॉ. पेम्मासानी चंद्रशेखर सरकार ने डिजिटल परिवर्तन के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई: डॉ. पेम्मासानी चंद्रशेखर

(जीएनएस)।

केन्द्रीय संचार और ग्रामीण विकास राज्य मंत्री डॉ. पेम्मासानी चंद्रशेखर ने इस बात पर बल दिया कि दूरसंचार अवसंरचना भारत के एआई इको-सिस्टम की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि कनेक्टिविटी कोई विलासिता नहीं है, बल्कि यह संप्रभुता है। मंत्री महोदय ने रेखांकित किया कि समावेशी डिजिटल कनेक्टिविटी भारत के प्रौद्योगिकीय नेतृत्व और डिजिटल सशक्तिकरण के केन्द्र में है।

भारत मंडपम में आयोजित 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' के दौरान दूरसंचार और कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर आधारित एक सत्र में मुख्य भाषण देते हुए डॉ. पेम्मासानी ने भारत की तीव्र दूरसंचार प्रगति पर प्रकाश डाला। उन्होंने उल्लेख किया कि ब्रॉडबैंड ग्राहकों की संख्या 2014 में 6 करोड़ से बढ़कर 2025 में 100 करोड़ हो गई है, जबकि औसत मासिक मोबाइल डेटा खपत अब प्रति उपयोगकर्ता 24 जीबी से अधिक हो गई है। फाइबर बिछाने का विस्तार 42 लाख रूट किलोमीटर से अधिक हो चुका है और भारत ने विश्व स्तर पर सबसे तेज 5जी रोलआउट में से एक को अंजाम दिया है। उन्होंने कहा कि भारतनेट जैसी अंतिम छोर कनेक्टिविटी पहलों में निरंतर निवेश से यह सुनिश्चित हो रहा है कि एआई-सक्षम सेवाएं ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंचें, जिससे उभरती प्रौद्योगिकियों तक पहुंच का लोकतंत्रीकरण हो रहा है।

मंत्री महोदय ने आगे कहा कि भारत अब कनेक्टिविटी विस्तार से क्षमता संवर्धन की ओर अग्रसर है, जिसमें उच्च क्षमता वाले फाइबर बैकहॉल, कम विलंबता वाले अनुप्रयोगों के लिए एज कंप्यूटिंग, क्लाउड इन्फ्रास्ट्रक्चर विस्तार और किफायती पहुंच पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है, जिससे टियर-2 और टियर-3 शहरों में स्टार्टअप और उद्यम नवाचार कर सकें। उन्होंने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में एआई को अपनाने की गति तेज हो रही है और बड़ी संख्या में बड़े उद्यम सक्रिय उत्पादन परिवेशों में एआई का उपयोग कर रहे हैं।

विश्वास और सुरक्षा के महत्व पर जोर देते हुए डॉ. पेम्मासानी चंद्रशेखर ने मजबूत दूरसंचार सुरक्षा ढांचे, 1,200 से अधिक संस्थानों को जोड़ने वाले एआई-सक्षम डिजिटल इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म, एएसटीआर टूल (जिसने 86 लाख से अधिक फर्जी सिम कार्डों की पहचान कर उन्हें बंद किया है) और वित्तीय धोखाधड़ी जोखिम संकेतक (फाइनेंशियल फ्रॉड रिस्क इंडिकेटर) (जिसने 1,400 करोड़ रुपये से अधिक के धोखाधड़ी वाले लेनदेन को रोका है) का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि एआई-संचालित स्पैम पहचान और धोखाधड़ी रोकथाम प्रणालियां सक्रिय रूप से नागरिकों की सुरक्षा कर रही हैं और डिजिटल विश्वास को मजबूत कर रही हैं।

भारत की वैश्विक स्थिति का संदर्भ देते हुए मंत्री महोदय ने कहा कि भारत दुनिया के शीर्ष एआई इकोसिस्टम्स में से एक है और दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा दूरसंचार बाजार है। उन्होंने 'इंडियाएआई मिशन' के तहत आवंटन और सेमीकंडक्टर विनिर्माण में महत्वपूर्ण निवेश को आत्मनिर्भर और नवाचार-संचालित डिजिटल अर्थव्यवस्था बनाने की सरकार की दीर्घकालिक रणनीति के हिस्से के रूप में उजागर किया।

अपने संबोधन का समापन करते हुए डॉ. पेम्मासानी ने कहा कि दूरसंचार अब केवल कॉल जोड़ने करने के बारे में नहीं है, बल्कि अवसरों को जोड़ने के बारे में है। उन्होंने एक समावेशी, सुरक्षित और एआई-तैयार डिजिटल भविष्य के निर्माण के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर अटकलों का खंडन, किसानों के हित सर्वोपरि- केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान

गेहूं, चावल, मक्का व डेयरी पर 'दरवाजा बंद'- किसी भी कीमत पर आयात नहीं- केंद्रीय कृषि मंत्री 'भारत नहीं झुकेगा, किसानों पर आंच नहीं आने देंगे'- प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के निदेशों पर सरकार अडिग- श्री शिवराज सिंह चौहान

(जीएनएस)।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर चल रही विभिन्न अटकलों को सिरे से खारिज करते हुए आज राजस्थान के जयपुर से स्पष्ट शब्दों में कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसानों के हितों से कभी समझौता नहीं किया जाएगा।

श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि वे किसानों के बीच भारत के कृषि मंत्री के रूप में "पूरी जिम्मेदारी" से कह रहे हैं कि किसी भी समझौते में भारतीय किसानों के हितों से समझौता नहीं किया गया है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि गेहूं, चावल, मक्का जैसी संवेदनशील फसलों पर दरवाजा बंद है, चावल उत्पादन में भारत आज दुनिया में नंबर-1 है और चीन से आगे निकल चुका है। ऐसे में किसानों को नुकसान पहुँचाने वाला कोई आयात स्वीकार ही नहीं किया गया।

भारतीय किसानों के हित सुरक्षित

सेब के मुद्दे पर उठाए जा रहे सवालों पर कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि भारत को हर साल लगभग 5.5 लाख मीट्रिक टन सेब की जरूरत होती है जो अभी तुर्की और ईरान जैसे देशों से भी आता है। उन्होंने कहा कि यदि इसमें से मात्र 1 लाख मीट्रिक टन सेब अमेरिका से लिया जाए और उस पर आयात मूल्य ₹80 प्रति किलो के ऊपर ₹25 शुल्क जोड़कर कोटा तय किया जाए तो यह भारत के सेब उत्पादकों को कोई नुकसान नहीं पहुंचाएगा, बल्कि 'तुर्की से लेने के बजाय कहीं और से लेने का मामूली बदलाव मात्र है।

सोयाबीन और मक्का पर उन्होंने स्पष्ट किया कि इन पर कोई रियायत नहीं दी गई है और यह भी याद दिलाया कि कांग्रेस शासन में 20 अरब डॉलर के कृषि उत्पादों का आयात होता था जिसमें डेयरी उत्पाद भी शामिल थे।

श्री शिवराज सिंह चौहान ने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने साफ निर्देश दिए हैं कि दूध, घी, दही, पनीर सहित कोई भी डेयरी उत्पाद भारत की धरती पर किसी भी कीमत पर आयात नहीं होने दिया जाएगा, ताकि देश के दूध उत्पादक किसानों को नुकसान न हो।

लखनऊ में दो सालों में प्रतिबंधित मांझे से 104 लोग घायल, यूपी में 2017 से बैन है जानलेवा मांझा

(जीएनएस)।

लखनऊ। विधान परिषद में सोमवार को प्रतिबंधित मांझे का मुद्दा उठा। सदस्य देवेन्द्र प्रताप सिंह के प्रश्न पर पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण कुमार ने बताया कि पिछले दो वर्षों के दौरान लखनऊ में प्रतिबंधित मांझे से 104 व्यक्तियों के घायल होने के मामले सामने आए हैं। लखनऊ पुलिस ने संबंधित मामलों में कार्रवाई की है।

मंत्री ने बताया कि मांझे को लेकर पर्यावरण विभाग ने एक मई 2017 को पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम-1986 की धारा-5 के तहत जानलेवा मांझे पर प्रतिबंध लगाया था। इस संदर्भ में सभी मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों, पुलिस कमिश्नरों, एसएसपी, व एसपी को निर्देश भी जारी किए गए थे।

उन्होंने स्पष्ट किया कि सिंथेटिक मांझा, सीसा लेपित मांझा, नायलान पतंग डोरी के अलावा चीन से आने वाले मांझे पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध है। वहीं, भाजपा के विजय बहादुर पाठक ने माडिफाइड साइलेंसरों को लेकर सदन को सूचना देते हुए प्रभावी कार्रवाई की मांग की।

उन्होंने कहा कि राज्य में सड़क दुर्घटनाएं कम हुई हैं, लेकिन यातायात नियमों का उल्लंघन जारी है। खास तौर पर बाइक में माडिफाइड साइलेंसर लगाने का चलन समाप्त नहीं हो रहा है। साइलेंसरों से पटाखे जैसी आवाज निकालती है। इसलिए आम आदमी घबरा जाता है और ध्वनि प्रदूषण फैलता है। बाइकर गैंग और बाइकों के शौकीन नियमों को ताख पर रखकर आम लोगों की जान के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। मोटर एक्ट के तहत माडिफाइड साइलेंसर लगाना नियम के विरुद्ध है। इसलिए इस मामले में बड़े स्तर पर कार्रवाई की जानी चाहिए।

गरवी गुजरात
हिन्दी

JioTV
CHENNAL NO.
2002

Jio Air Fiber
Jio Tv +
Jio Fiber
Daily Hunt
ebaba Tv
Dish Plus
DTH live OTT
Rock TV
Airtel
Amezone Fire
Rocu Tv-US.UK

देश-दुनिया के नवीनतम समाचार
प्राप्त करने के लिए आज ही
गरवी गुजरात हिंदी चेनल देखिये

सम्पादकीय

भारत-फ्रांस सुपर मैत्री

विशिष्ट मैत्री प्राधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की मंगलवार को मुंबई में हुई मुलाकात अत्यन्त महत्वपूर्ण है क्योंकि दोनों ही नेताओं ने दोनों देशों के संबंधों को विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी के मुकाम तक पहुंचाया और दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व ने बढ़ते भू-राजनीतिक उथल-पुथल के परिप्रेक्ष्य में रक्षा, व्यापार और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंध बढ़ाने का संकल्प जो लिया है।

दरअसल प्राधानमंत्री मोदी का यह आशावाद निर्थक नहीं है कि विश्वास और साझा विजन के आधार पर भारत और फ्रांस विशेष वैश्विक हिस्सेदारी के रूप में संबंध स्थापित कर रहे हैं और अब दोनों देश मिलकर माउण्ट एवरेस्ट की ऊंचाइयों तक उड़ान भरने वाला विश्व का एकमात्र हेलीकाप्टर भारत में बनाएंगे और पूरे विश्व को एक्सपोर्ट करेंगे।

फ्रांस के साथ यही सहयोगात्मक मैत्री दूसरे देशों के साथ भारत की मित्रता को अलग करते हैं। भारत के साथ संबंधों में जो खुलापन फ्रांस के साथ है, वैसा तो रूस के साथ भी नहीं हो पाया है। रूस के साथ आए दिन भुगतान प्राव्रिया को लेकर दोनों देशों के अधिकारियों एवं राजनयिकों के बीच सौदेबाजी होती है। चूंकि भारत और रूस दोनों एक दूसरे की भावनाओं का सममान करते हैं और दोनों की एक-दूसरे के प्राति सद्भावना है, इसलिए मामले उलझते ही सुलझ भी जाते हैं। किन्तु फ्रांस के साथ भारत के मामले उलझते ही नहीं क्योंकि फ्रांस भारतीय शर्तो को व्यावसायिक उद्देश्य के लिए स्वीकार कर लेता है। भारत भी इस बात का आकलन करता है कि उसे जो तकनीक अपनी शर्तो पर फ्रांस से मिल रही है, वही तकनीक वह अमेरिका से उसकी शर्तो पर क्यों लें? भारत की इसी सूझबूझ का परिणाम है कि भारत और फ्रांस तकनीकी सामरिक सहयोग पर दृढ़ता से आगे ही आगे बढ़ते जा रहे हैं।

अमेरिका और यूरोपीय देशों के बीच व्यापारिक और सामरिक सहयोग जिस विश्वास की नींव पर टिका था अब वह कमजोर पड़ गया है क्योंकि उसमें दरार पड़ गई है। अब भारत के साथ यूरोप के देश जिस विजन पर काम करना चाहते हैं, भारत को इसी अवसर की प्रातीक्षा थी। यह वास्तविकता है कि भारत इसलिए मेक इन इंडिया को भारतीय आर्थिक जरूरतों के लिए किसी भी देश से समझौता करने को तैयार रहता है। वुल मिलाकर दोनों देशों की मैत्री वैश्विक स्थिरता के लिए भी आवश्यक है।

भारत का लोहा मनवाने के ट्रैक पर पीएम मोदी, फ्रांस के साथ नया आयाम रच इस्त्राइल से बनेगी केमिस्ट्री

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुंबई में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात की। मोदी ने फ्रांस को भारत का विशेष सहयोगी बताते हुए कहा कि हमारी सहभागिता की कोई सीमा नहीं है। यह समुद्र से भी गहरी और पर्वत से भी ऊंची है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की भारत को क्षेत्रीय चुनौतियों का 'बॉस' बनाने की प्रतिबद्धता साफ झलक रही है। उन्होंने फ्रांस राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ नए अध्याय की शुरूआत की। प्रधानमंत्री 25-26 फरवरी को इस्त्राइल भी जाएंगे। समकक्ष प्रधानमंत्री नेतेन्याहू से भेंट के बाद नया संदेश देंगे।

पहले बात आज फ्रांस के साथ की

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रपति मैक्रों के साथ द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा की। दोनों देशों ने रक्षा संबंध को अगले 10 वर्ष के लिए नई ऊंचाई पर ले जाने, रणनीतिक साझेदारी को नया आयाम देने पर सहमत हुए। फ्रांस के साथ भारत ने 1998 में पहली बार रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाया था। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति मैक्रों ने भारत-फ्रांस नवाचार वर्ष 2026 का मुंबई में उद्घाटन किया। नई दिल्ली में युग युगीन भारत की शुरूआत हुई। भारत ने फ्रांस के साथ 20 से अधिक सहमति और समझौतों पर हस्ताक्षर किया। बताते हैं इसे अंतिम रूप देने में विदेश मंत्री एस जयशंकर और विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अब भारत और फ्रांस मिलकर 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम के तहत वजन में हल्के और उपयोगी हेलीकाप्टर बनाएंगे। कर्नाटक के वेमगल में टाटा एयर बस एच125 हेलीकाप्टर को असेम्बल करेगी। भारत फ्रांस के साथ 114 राफेल फाइटर जेट को लेने की प्रक्रिया में कदम बढ़ा चुका है। हैमर मिसाइल को भी राफेल लड़ाकू विमान में तैनात करने तथा इसके भारत में फ्रांस के साथ मिलकर विकसित करने की सहमति बनी है। भारत और फ्रांस थल सेना के रेसीप्रोकल डिप्लॉयमेंट पर भी सहमत हुए हैं।

अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में भारत और फ्रांस सहयोगी रहे हैं। 'त्रिश्ना मिशन (पृथ्वी की सतह की इमेज के लिए)'सहयोग और साझेदारी पर सहमति बनी है। फ्रांस ने ग्रीन हाइड्रोकार्बन में काफी सफलता पाई है। इसके अलावा नागरिक क्षेत्र में परमाणु ऊर्जा (छोटे रिएक्टर के विकास) के उपयोग में भी सहमति बनी है। दोनों देश एयरोनाटिक्स में स्किल सेंटर की स्थापना, स्वास्थ्य क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस में सहयोग समेत अन्य पर सहमत हुए हैं।

हथियारों की होड़ में भारत और पाकिस्तान

पाकिस्तान ने हाइपरसोनिक मिसाइल 'स्मैश' का परीक्षण करके

संदेश दिया है। इसकी मारक क्षमता 350 किमी तक बताई जा रही है। इसके अलावा वह घातक ड्रोन, चीन की हंगोर पनडुब्बी को अपने बेड़े में शामिल करने की योजना पर काम कर रहा है। रक्षा और सामरिक क्षेत्र के जानकार बताते हैं कि पड़ोसी देश के रणनीतिकारों ने आपरेशन सिन्दूर के बाद कमियों को देखते हुए ताकत बढ़ाने की मुहिम शुरू कर दी है। भारत इसमें कहीं भी पीछे नहीं है। भारत ने चीन की सीमा के पास अग्रिम वायुसैनिक अड्डे पर राफेल लड़ाकू विमान उतारकर संकेत दे दिया है। वायुसेना की ताकत बढ़ाने के लिए 114 राफेल लड़ाकू विमानों, जिनमें 18 को तैयार हालत में लेने की प्रक्रिया परवान चढ़ने की उम्मीद है। भारत हिन्द महासागर क्षेत्र में बंगाल की खाड़ी से लेकर अरब सागर तक निगरानी तथा ऑपरेशन के लिए फ्रांस से तकनीक सहयोग की पहल कर रहा है। दोनों देशों की नौसेनाओं में साझेदारी बढ़ने की संभावना है। इसके अलावा रूस के साथ कई रक्षा सौदों पर प्रक्रिया चल रही है।

भारत-फ्रांस का साथ, दुनिया के लिए संदेश

भारत का रूस सबसे बड़ा रक्षा मामले का साझीदार देश रहा है। उच्च तकनीकी, हथियार और साझेदारी में अगुआ रहा है। फ्रांस ने भी लीक से थोड़ा आगे बढ़कर हाथ मिलाया है। यूरोपीय देशों में राष्ट्रपति मैक्रों काफी हद तक स्वतंत्र लाइन लेकर चलते हैं। फ्रांस रिश्तों के भरोसे पर जोर देता है। इस तरह से भारत ने फ्रांस के साथ विज्ञान और तकनीक, संयुक्त उद्यम, शोध समेत कई क्षेत्रों में सहमति बनाकर अपनी विविधता को मजबूत किया है। इसमें अमेरिका के लिए भी कूटनीतिक संदेश छिपा है कि हिन्द महासागरीय देश अपनी जरूरत के लिए रुकने वाला नहीं है। परोक्ष रूप से रूस के साथ संबंध, संप्रभुता और विदेश नीति में स्वतंत्रता बनाए रखने की भी झलक है।

इस्त्राइल की प्रधानमंत्री की यात्रा पर होगी दुनिया की निगाह

इस्त्राइल अभी तक एक बड़े क्षेत्रीय संघर्ष में फंसा है। अभी मध्य एशिया में तनाव जारी है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी महीने के आखिरी सप्ताह (25-26 फरवरी) में इस्त्राइल जा रहे हैं। वहां उनकी मुलाकात प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतेन्याहू से होगी। नेतेन्याहू और प्रधानमंत्री मोदी की केमिस्ट्री जगजाहिर है। भारत ने इस्त्राइल को उसके कठिन समय में मदद की है। माना जा रहा है कि इस दौरान दोनों नेता द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा करेंगे। कई क्षेत्रों में सहयोग का दायरा बढ़ेगा। दोनों देशों के बीच में रक्षा क्षेत्र में मिलकर उत्पादन और रणनीतिक साझेदारी की भी शुरूआत हो सकती है। भारत रक्षा ने क्षेत्र में कई सहयोगियों के साथ अपनी निर्भरता को आकार देने की प्रक्रिया को तेज कर दिया है। इसमें इस्त्राइल भी प्रमुख होगा।

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026: नवाचार से राष्ट्र निर्माण तक

एआई कोई दुश्मन नहीं है। यदि इसे एक ईमानदार औजार की तरह जैसे जानकारी खोजने, विश्लेषण करने या भाषा सुधारने के लिए आदि के लिए उपयोग किया जाए, तो यह अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो सकती है।

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026: नवाचार से राष्ट्र निर्माण तक आज का समय तकनीक का समय है, या यूँ कहें कि हम तकनीक के युग में सांस ले रहे हैं।

यह तकनीक ही है, जो मनुष्य के जीवन को अधिक सुविधाजनक बना रही है, लेकिन इसके साथसाथ हमारी सोच, कार्यशैली और आदतें भी आज बदल रही है।

कहना गलत नहीं होगा कि वर्तमान दौर में वृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) इस परिवर्तन का सबसे प्रमुख उदाहरण बनकर उभरी है। तेजी से बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियों के बीच दुनिया भर में आधुनिक तकनीकों के विकास और नवाचार पर विशेष जोर बढ़ा है। आज दुनिया के विभिन्न देश अपनी नीतियों में नई-नई तकनीकों व नवाचारों को शामिल कर अपने देश की विभिन्न पारंपरिक कार्यप्रणालियों को लगातार बदल रहे हैं। विशेष रूप से एआई ने वैश्विक स्तर पर कार्य प्रणाली और मानव भूमिका को गहराई से प्रभावित किया है, इसलिए आज इसे विकास के लिए अनिवार्य और बहुत ही अहम् माना जा रहा है।

इसी संदर्भ में, नई दिल्ली में एक महत्वपूर्ण एआई शिखर सम्मेलन(इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026; 16 फरवरी से 20 फरवरी 2026 तक) आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य एआई की संभावनाओं, इसकी चुनौतियों, रोजगार पर इसका प्रभाव और आम जीवन में इसके उपयोग को लेकर जागरूकता बढ़ाना है। कहना गलत नहीं होगा कि आज एआई का दायरा स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा, कारोबार और रक्षा जैसे क्षेत्रों तक पैल चुका है, जिससे नए अवसर पैदा हुए हैं, लेकिन यह भी कटु सत्य है कि रोजगार पर प्रभाव, जोखिम, डेटा सुरक्षा और पर्यावरणीय असर जैसी चिंताएँ भी इसके कारण सामने आई हैं। विशेष रूप से डेटा वेंद्रों में ऊर्जा और पानी की बढ़ती खपत को लेकर प्रश्न उठ रहे हैं। इसलिए एआई आधारित विकास को सफल बनाने के लिए इसके लाभों के साथ-साथ संभावित खतरों के समाधान पर भी समान रूप से ध्यान देना आवश्यक है।

बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि नई दिल्ली के भारत मंडपम में 16 से 20 फरवरी 2026 तक इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के आयोजन का उद्घाटन भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। यह पाँच दिवसीय कार्यांम ग्लोबल साउथ में आयोजित पहला प्रमुख एआई शिखर सम्मेलन माना जा रहा है, जिसमें 300 से अधिक प्रदर्शक भाग ले रहे हैं और एआई नीति तथा नवाचार पर विशेष ध्यान वेंद्रित किया गया है। गौरतलब है कि यह समिट भारत मंडपम सहित नई दिल्ली के विभिन्न स्थलों पर आयोजित हो रही है तथा इसमें 100 से अधिक देशों की भागीदारी है, साथ ही शीर्ष तकनीकी वंपनियों जैसे गूगल और माक्रोसॉफ्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी(सीईओ), शोधकर्ता, सबसे बड़े एआई आयोजनों में से एक माना जा रहा है और ग्लोबल साउथ में आयोजित पहली बड़ी एआई शिखर बैठक के रूप में देखा जा रहा है, जिससे भारत सहित विभिन्न विकासशील देशों की भूमिका मजबूत होगी। सम्मेलन में एआई आधारित नवाचार, प्रतियोगिताएँ, हैकाथॉन तथा करोड़ों रुपये के पुरस्कार वाले कार्यांम आयोजित किए जा रहे हैं।

नीति-निमार्ता और कई देशों के राष्ट्राध्यक्ष शामिल हो रहे हैं। यह भी उल्लेखनीय है कि कार्यांम के दौरान 500 से अधिक सत्र आयोजित किए जा रहे हैं, जबकि 800 से अधिक प्रदर्शक, स्टार्टअप, शोध संस्थान और राष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल इसमें भाग ले रहे हैं।

16-20 फरवरी तक आयोजित यह एआई शिखर सम्मेलन भारत के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत वृत्रिम बुद्धिमत्ता(एआइ) के क्षेत्र में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी शक्ति के रूप में उभर रहा है, जबकि उससे आगे केवल संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन हैं। स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के ग्लोबल एआई वाइब्रेंसी टूल के अनुसार भारत का स्कोर 21.59 है, जबकि अमेरिका का 78.6 और चीन का 36.95 है। इस सूचकांक में भारत कई विकसित देशों जैसे दक्षिण कोरिया, ब्रिटेन, सिंगापुर, जापान, कनाडा, जर्मनी और फ्रांस से आगे है। भारत वर्तमान में चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के साथसाथ एआई के क्षेत्र में अग्रणी विकासशील देश भी बन चुका है।

इसलिए इस स्तर का वैश्विक आयोजन पहली बार किसी विकासशील देश में होना ऐतिहासिक माना जा रहा है।

सम्मेलन में 13 देशों के लगभग 300 पवेलियन वाले एक्सपो का आयोजन भारत की बढ़ती तकनीकी क्षमता को भी प्रर्दशित करता है। विशेषज्ञों का मानना है कि एआई के माध्यम से आम लोगों तक तकनीक के लाभ पहुँचाने, सस्ती तकनीक उपलब्ध कराने और वैश्विक असमानताओं को कम करने में भारत महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, बशत्रे देश निवेश बढ़ाए, प्रतिभाओं को बनाए रखे और अनुवूल तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करे।

वास्तव में, यह समागम विश्व के इससे विभिन्न देशों को उद्योग और निवेश के अवसर मिल रहे हैं, साथ ही एआई के वास्तविक उपयोग (एप्लीकेशन), स्टार्टअप सहयोग और व्यापारिक साझेदारी पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

यदि हम यहां पर इस समिट के प्रमुख उद्देश्यों की बात करें तो, इनमें ामशः समावेशी और जिम्मेदार एआई विकास (एआई सभी के लिए और अच्छे के लिए), वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देना, विकसित और विकासशील देशों के बीच तकनीकी अंतर को कम करना, सामाजिक-आर्थिक विकास को गति देना (स्वास्थ्य, शिक्षा, वृषि, उद्योग और पर्यावरण में सुधार), सुरक्षित, विश्वसनीय और नैतिक एआई के लिए अंतरराष्ट्रीय नीति संवाद को आगे बढ़ाना तथा भारत को वैश्विक एआई वेंद्र के रूप में स्थापित करना शामिल है।

हालाँकि, एआई के बढ़ते प्रभाव के बीच एक महत्वपूर्ण मानवीय प्रश्न भी सामने आता है।

आज एआई के कारण लिखना तेज और आसान हो गया है, लेकिन इससे वास्तविक रचनात्मकता का अर्थ वुछ हद तक धुंधला पड़ने लगा है। अब लोग केवल लेख की गुणवत्ता नहीं देखते, बल्कि यह भी सोचते हैं कि उसे इंसान ने लिखा है या मशीन ने। यह सच है कि एआई द्वारा तैयार सामग्री अक्सर संतुलित और प्रभावी होती है, लेकिन उसमें वह जीवंतता नहीं होती जो किसी इंसान के अनुभव, संघर्ष और भावनाओं से आती है। एआई प्रेम, पीड़ा या संवेदनाओं की भाषा तो लिख सकती है, पर उसने स्वयं वुछ महसूस नहीं किया होता।

इसलिए जब ऐसी रचना किसी व्यत्ति के नाम से प्रस्तुत की जाती है, तो यह बौद्धिक नकल जैसी स्थिति भी पैदा कर सकती है। हमें यह समझना होगा कि वास्तविक सृजन केवल परिणाम नहीं, बल्कि सोचने, गलती करने, सीखने और संघर्ष करने की प्रायिा भी है, जिसे एआई छोटा कर देती है। फिर भी; एआई कोई दुश्मन नहीं है। यदि इसे एक ईमानदार औजार की तरह जैसे जानकारी खोजने, विश्लेषण करने या भाषा सुधारने के लिए आदि के लिए उपयोग किया जाए, तो यह अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो सकती है।

समस्या तब उत्पन्न होती है जब हम इसके माध्यम से किए गए कार्य का पूरा श्रेय स्वयं लेने लगते हैं।

इसलिए यह कहना उचित होगा कि एआई सुविधा अवश्य प्रदान करती है, लेकिन वास्तविक रचनात्मकता आज भी मनुष्य के अनुभव, संघर्ष और ईमानदारी से ही जन्म लेती है।

(लेखक प्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार हैं।)
सुनील वुमार महला

इस राज्य में रमजान में मुस्लिम कर्मचारियों को ऑफिस से 1 घंटे पहले मिलेगी छुट्टी, आदेश जारी

(जीएनएस)।

बड़ी खबर तेलंगाना से है, जहां राज्य सरकार ने रमजान के पाक महीने में मुस्लिम सरकारी कर्मचारियों को खास छूट देने का फैसला किया है। इसके तहत वे नमाज अदा करने के लिए रोज एक घंटा पहले दफ्तर से जा सकेंगे। मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव ने इस संबंध में एक आधिकारिक आदेश जारी किया है।

आपको बता दें कि मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव के आदेशानुसार, राज्य सरकार के विभागों, शिक्षकों, संविदा व आउटसोर्सिंग स्टाफ, बोर्डों, निगमों व सार्वजनिक उपक्रमों के कर्मियों को रोजे के दौरान शाम 4:00 बजे कार्यालय से जा सकते हैं। यह छूट 19 फरवरी से 20 मार्च तक लागू है (सेवा आपात स्थितियों को छोड़कर)।

शिक्षा विभाग ने भी रोजा रखने वाले छात्रों की सुविधा हेतु उर्दू माध्यम स्कूलों का समय सुबह 8:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक कर दिया है। तेलंगाना में यह एक पुरानी प्रशासनिक

'जल्दी छुट्टी' प्रथा है, जिसे लगातार सरकारों ने जारी रखा है।

भाजपा ने सरकार पर उठाए सवाल

हालांकि, इस निर्णय ने पहले भी राजनीतिक बहस छेड़ी है। केंद्रीय मंत्री बंदी संजय कुमार समेत भाजपा नेताओं ने 41 दिवसीय अय्यप्पा दीक्षा या अन्य हिंदू उपवासों के लिए समान रियायतें न मिलने पर सवाल उठाया और सभी समुदायों के लिए समान व्यवहार सुनिश्चित करने की मांग की है। सरकार ने इसे धार्मिक दायित्वों और कार्यालयीन जिम्मेदारियों के बीच सामंजस्य बिठाने हेतु अस्थायी प्रशासनिक सुविधा बताया।

शुरूआती अनुमानों और खगोलीय गणनाओं के अनुसार, भारत में रमजान 2026 का रोजा 19 फरवरी से शुरू होने की संभावना है, हालांकि इसकी अंतिम पुष्टि 'हिलाल' यानी नया चांद दिखने के बाद ही होगी, अगर आज शाम चांद नजर आता है तो रमजान का पहला रोजा 19 फरवरी से रखा जाएगा और अगर चांद नहीं दिखता है के कैलेंडर के मुताबिक 20 फरवरी को पहला रोजा मान्य होगा।

इबादत, दान और आत्म-चिंतन का महीना है

गौरतलब है कि यह पवित्र माह इबादत, दान और आत्म-चिंतन के लिए जाना जाता है। 30 दिन तक लोग रोजा रखते हैं और महीने के अंत में ईद मनाई जाती है। सुबह फज्र से पहले सहरी लेकर, सूर्यास्त के बाद इफ़्तार तक उपवास रखा जाता है। इस दौरान व्यक्ति खुदा से अपने गुनाहों की माफी मांगते हैं। ये महीना लोगों को गरीबों की मदद करने के लिए प्रेरित करता है, इस दौरान नकारात्मक बातों, लड़ाई-झगड़ों से दूर रहने की सलाह दी जाती है।

वर्ल्ड कप से बाहर होगा पाकिस्तान? भारत से हार के बाद बिगड़ा समीकरण, इस टीम की चमकेगी किस्मत!

(जीएनएस)।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में पाकिस्तान क्रिकेट टीम की राह अब एक बेहद गंभीर मोड़ पर आ खड़ी हुई है। आर. प्रेमदासा स्टेडियम में भारत के खिलाफ मिली 61 रनों की करारी शिकस्त ने पाकिस्तान के गहरी को चोट पहुंचाई है। इस हार ने उनके 'सुपर-8' में पहुंचने के समीकरण को भी पेचीदा बना दिया है। अब बुधवार को नामीबिया के खिलाफ होने वाला मुकाबला पूर्व चैंपियन पाकिस्तान के लिए 'जीवन-दान' या 'एलिमिनेशन' का फैसला करेगा।

पाकिस्तान के लिए जीत जरूरी

ग्रुप-ए की स्थिति पर नजर डालें तो टीम इंडिया 6 अंकों के साथ पहले ही सुपर-8 के लिए क्वालीफाई कर चुकी है। असली जंग दूसरे स्थान के लिए है, जहां अमेरिका और पाकिस्तान के बीच सीधी टक्कर दिख रही हैः अमेरिका 4 मैचों में 4 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। इनका नेट रन रेट +0.787 है, जो काफी मजबूत है। पाकिस्तान 3 मैचों में 4 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है। समस्या इनका नेट रन रेट है, जो भारत से मिली हार के बाद -0.403 पर गिर गया है।

पाकिस्तान हो सकता है बाहर?

कागजों पर पाकिस्तान की टीम नामीबिया से कहीं अधिक मजबूत नजर आती है। नामीबिया अब तक एक भी मैच नहीं जीत सका है और वह सुपर-8 की रेस से बाहर हो चुका है। हालांकि, यही बात उन्हें खतरनाक बनाती है। नामीबिया के पास खोने के लिए कुछ नहीं है और वे एक पूर्व विश्व चैंपियन को हराकर टूनामेंट का अंत यादगार बनाना चाहेंगे। यदि पाकिस्तान यहां लड़खड़ाता है, तो बिना किसी 'इफ और बट' के वे वर्ल्ड कप से बाहर हो जाएंगे।

पाक की हार से किसे होगा फायदा?

अगर नामीबिया कोई उलटफेर करने में सफल रहता है, तो सबसे अधिक खुशी अमेरिकी फैंस को होगी। पाकिस्तान की हार का मतलब होगा कि अमेरिका आधिकारिक तौर पर सुपर-8 में प्रवेश कर जाएगा। नीदरलैंड्स भी तकनीकी रूप से रेस में है, लेकिन उनकी राह बेहद कठिन है क्योंकि उन्हें न केवल पाकिस्तान की हार की दुआ करनी होगी, बल्कि अपने आखिरी मैच में अजेय भारत को बड़े अंतर से हराना होगा।

कप्तान सलमान अली आगा की परीक्षा

कप्तान सलमान अली आगा के लिए यह मैच किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं है। अब तक टूनामेंट में पाकिस्तान की बल्लेबाजी बेहद साधारण रही है। टीम इंडिया के खिलाफ मिली हार के बाद टीम का मनोबल गिरा हुआ है और वापसी के लिए उनके पास समय बहुत कम है।

पीएम मोदी के साथ कार में क्या थी वो सीक्रेट चर्चा? गद-गद हुए मैक्रों, बोले- 'जय हो'

(जीएनएस)।

मुंबई की सड़कों पर भारत और फ्रांस की दोस्ती का एक ऐसा नजारा दिखा, जिसने सबका दिल जीत लिया। अपनी तीन दिवसीय भारत यात्रा (17-19 फरवरी, 2026) के दौरान फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और पीएम नरेंद्र मोदी मुंबई में मिले। दोनों नेताओं के बीच गजब की केमिस्ट्री दिखी, सिर्फ बंद कमरों में मीटिंग ही नहीं हुई, बल्कि दोनों ने एक ही कार में सफर भी किया।

इस खास पल की तस्वीरें जब मैक्रों ने सोशल मीडिया पर "खं लड्ड!" कैप्शन के साथ पोस्ट कीं, तो इंटरनेट पर इसकी चर्चा तेज हो गई। यह दिखाता है कि भारत और फ्रांस का रिश्ता अब सिर्फ कागजी समझौतों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक गहरी और भरोसेमंद दोस्ती में बदल चुका है।

जब एक ही कार में निकले 'दोस्त'

मुंबई के ट्रैफिक और समंदर की लहरों के बीच पीएम मोदी और राष्ट्रपति मैक्रों को एक साथ कार शेयर करते देखना वाकई खास था। कूटनीति की भाषा में इसे 'पर्सनल टच' कहा जाता है। मैक्रों का सोशल मीडिया पर "खं लड्ड!" लिखना भारतीय फैंस को बेहद पसंद आया।

इससे यह संदेश गया कि फ्रांस के राष्ट्रपति भारतीय संस्कृति और यहां के लोगों के साथ कितना जुड़ाव महसूस करते हैं।

मैक्रों का 'जय हो' वाला अंदाज

राष्ट्रपति मैक्रों अक्सर भारत के प्रति अपना प्यार जाहिर करते रहते हैं, लेकिन इस बार का "जय हो" ट्वीट काफी वायरल हो रहा है। सोशल मीडिया पर लोग इसे 'सॉफ्ट डिप्लोमेसी' का बेहतरीन उदाहरण मान रहे हैं। जब कोई वैश्विक नेता स्थानीय भाषा या नारों का इस्तेमाल करता है, तो वह सीधे जनता के दिल में जगह बनाता है। मोदी और मैक्रों की इन तस्वीरों ने दिखा दिया कि दोनों के बीच का तालमेल कितना सटीक है।

यह रिश्ता केवल व्यापार तक सीमित नहीं- मैक्रों

राष्ट्रपति मैक्रों ने पीएम मोदी से मुलाकात के बाद भारत के गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए आभार जताते हुए इसे 'अतुलनीय भरोसा' करार दिया। उन्होंने घोषणा की कि यह साझेदारी अब एक 'स्पेशल स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' है। उनके मुताबिक, पिछले आठ वर्षों में दोनों देशों ने आपसी मजबूती और महत्वाकांक्षा के दम पर हर साल प्रगति के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। मैक्रों के कहा, यह रिश्ता केवल व्यापार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह खुलेपन और पारदर्शिता की एक ऐसी मिसाल है जो दुनिया को नई दिशा देगी।

ये भी पढ़ें: 'भारत-फ्रांस बनाएंगे एवरेस्ट की ऊंचाई तक उड़ने वाला हेलीकॉप्टर', ढट टड्ड ने मैक्रों के साथ मुंबई में किया ऐलान

भारत-फ्रांस का रिश्ता सिर्फ सरकारों तक सीमित नहीं- ढट मोदी

वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने जोर देकर कहा कि भारत और फ्रांस का रिश्ता अब सिर्फ सरकारों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह 'पार्टनरशिप ऑफ द पीपल' बन चुका है। उन्होंने 'भारत-फ्रांस इनोवेशन ईयर' का जिक्र करते हुए कहा कि इनोवेशन अकेले बंद कमरों में नहीं, बल्कि मिल-जुलकर काम करने से आता है। हमारा लक्ष्य स्टार्टअप्स, छोटे उद्योगों और शोधकताओं के बीच एक ऐसा मजबूत नेटवर्क बनाना है, जो डिफेंस से लेकर क्लीन एनर्जी तक हर क्षेत्र में नए रास्ते खोले।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

पीलीभीत:एसपी ने जनसुनवाई में सुनी शिकायतें, त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

(जीएनएस)।

पीलीभीत,17 फरवरी,2026:जिले की जनता की समस्याओं का समाधान करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए पुलिस अधीक्षक पीलीभीत ने पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई का आयोजन किया। जनशिकायतों के त्वरित एवं प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण कराने हेतु एसपी ने स्वयं उपस्थित होकर विभिन्न शिकायतें सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्यवाही के सख्त निर्देश दिए। यह आयोजन न केवल प्रशासनिक संवेदनशीलता का प्रतीक है, बल्कि एसपी की दूरदर्शिता और जनकल्याण के प्रति समर्पण को भी दशार्ता है।

जनसुनवाई के दौरान दर्जनों ग्रामीणों, महिलाओं और युवाओं ने अपनी शिकायतें एसपी के समक्ष रखीं। इनमें पारिवारिक विवाद, भूमि हड़पने की घटनाएं, महिलाओं के उत्पीड़न के मामले तथा स्थानीय कानून-व्यवस्था से जुड़ी समस्याएं प्रमुख थीं। एसपी ने हर शिकायत को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित थाना प्रभारियों, चौकी प्रभारियों और अन्य अधिकारियों को मौके पर ही निर्देश जारी किए। उन्होंने स्पष्ट किया कि कोई भी शिकायत लंबित नहीं रहेगी और प्राथमिकता के आधार पर 48 घंटों के अंदर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। एक शिकायतकर्ता ने कहा, "एसपी साहब की यह पहल सराहनीय है, इससे आम जनता को न्याय मिलने का विश्वास बढ़ा है।

"पुलिस अधीक्षक की यह पहल जिले में पुलिस-जनता के बीच मजबूत पुल का निर्माण कर रही है। एसपी ने न केवल शिकायतों का त्वरित निपटारा सुनिश्चित किया, बल्कि भविष्य में ऐसी सुनवाइयों को नियमित बनाने का ऐलान भी किया। उनका यह प्रयास महिलाओं की सुरक्षा, ग्रामीण विकास और सामाजिक सद्भाव को मजबूत करने में मील का पत्थर साबित हो रहा है। एसपी की सक्रियता से पीलीभीत पुलिस नई ऊंचाइयों को छू रही है, जो जिले के समग्र विकास के लिए प्रेरणादायक है।

यूपी बोर्ड परीक्षा की तैयारियां अंतिम चरण में, डीएम-एसपी ने कंट्रोल रूम का लिया जायजा

(जीएनएस)।

पीलीभीत। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की वर्ष 2026 की परीक्षाओं को शांतिपूर्ण व नकल विहीन संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। 18 फरवरी 2026 से प्रारंभ हो रही बोर्ड परीक्षा को लेकर जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने परीक्षा नियंत्रण कक्षों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

अधिकारियों ने उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की परीक्षा व्यवस्था के तहत स्थापित कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। यह कंट्रोल रूम ड्रमण्ड राजकीय इंटर कॉलेज तथा सनातन धर्म बांके बिहारी रामा इंटर कॉलेज में बनाए गए हैं, जहां से जिले के सभी परीक्षा केंद्रों की निगरानी की जाएगी।

जनपद में कुल 69 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिन पर लगभग 43 हजार परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल होंगे। सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिनकी मॉनिटरिंग कंट्रोल रूम से की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परीक्षा पूरी पारदर्शिता और सुरक्षा के साथ कराई जाए। किसी भी प्रकार की गड़बड़ी, अफवाह या संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, प्रश्नपत्रों की सुरक्षित ढुलाई और समयबद्ध संचालन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा की निष्पक्षता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा और नकल या अव्यवस्था फैलाने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पीलीभीत के गहलुइया में अज्ञात वाहन की टक्कर से गौमाता की मौत, बजरंग दल ने संभाला मोर्चा

(जीएनएस)।

पीलीभीत। जिले के गहलुइया क्षेत्र में एक अज्ञात वाहन की टक्कर से एक गौमाता की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के कई घंटे बीत जाने के बावजूद प्रशासनिक मदद न मिलने पर बजरंग दल के कार्यकताओं ने आगे आकर ससम्मान गौमाता का अंतिम संस्कार किया।

जानकारी के अनुसार, गहलुइया रोड पर बुधवार को अज्ञात वाहन ने तेज रफ्तार से गौमाता को टक्कर मार दी, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत प्रशासन को सूचना दी, लेकिन घंटों इंतजार के

बाद भी कोई अधिकारी या टीम मौके पर नहीं पहुंची। इस लापरवाही से आक्रोशित बजरंग दल के कार्यकताओं ने स्वयं मोर्चा संभाला। उन्होंने गौमाता के शव को साफ किया, पूजा-अर्चना कर ससम्मान गंगा स्नान कराया और विधिवत अंतिम संस्कार किया।

बजरंग दल के जिला संयोजक ने बताया कि गौमाता की रक्षा हमारा धार्मिक कर्तव्य है। प्रशासन की उदासीनता चिंताजनक है, हम इस मामले में उच्च अधिकारियों से शिकायत करेंगे। स्थानीय निवासियों ने भी प्रशासन से गौशालाओं की मजबूती और सड़क पर आवारा पशुओं के लिए तत्काल इंतजाम की मांग की है।

पीलीभीत में पूर्व अधिकारी के घर 60 लाख की चोरी: चोरों ने जेवर, नकदी लूटे, डीवीआर भी उड़ा ले गए!

(जीएनएस)।

पीलीभीत,सुनगढ़ी थाना क्षेत्र की वल्लभनगर कॉलोनी में एक पूर्व प्रशासनिक अधिकारी के घर चोरी की बड़ी वारदात हुई है। चोरों ने बंद मकान से करीब 60 लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवरात और एक लाख रुपये नकद चुरा लिए। पहचान छिपाने के लिए चोर घर में लगे सीसीटीवी कैमरों की डीवीआर भी अपने साथ ले गए।

यह घटना वल्लभनगर निवासी हरीश कुमार के घर में हुई। उनका परिवार छोटे भाई चिरंजीव की पत्नी द्वारा बरेली के एक अस्पताल में बेटी को जन्म देने की खुशी में शामिल होने

के लिए घर में ताला लगाकर बरेली गया हुआ था। मंगलवार सुबह पड़ोसियों ने घर का मुख्य गेट और जीने का दरवाजा खुला देखा। उन्होंने तत्काल गृहस्वामी हरीश कुमार को फोन पर इसकी सूचना दी।

परिवार के बरेली से लौटने पर उन्होंने देखा कि अलमारियों के ताले टूटे हुए थे और सारा सामान बिखरा पड़ा था। पीड़ित परिवार के अनुसार, चोरों ने एक किलो से अधिक सोने-चांदी के गहने चुराए हैं, जिनकी कीमत लगभग 60 लाख रुपये बताई जा रही है। इसके अतिरिक्त, घर में रखे एक लाख रुपये नकद भी गायब थे। चोरी की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पीड़ित हरीश कुमार के पिता स्वर्गीय गजेंद्र पाल कलेक्ट्रेट के पूर्व प्रशासनिक अधिकारी थे, जिसके कारण बड़ी संख्या में कलेक्ट्रेट कर्मचारी भी घटनास्थल पर मौजूद थे। सुनगढ़ी थाना अध्यक्ष नरेश त्यागी ने पुलिस बल और फील्ड यूनिट के साथ घटनास्थल का मुआयना किया। फिंगरप्रिंट विशेषज्ञों ने वहां से साक्ष्य जुटाए हैं।

थानाध्यक्ष नरेश त्यागी ने बताया, "यह मामला बेहद गंभीर है। पुलिस की कई टीमें गठित कर दी गई हैं और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर घटना का खुलासा किया जाएगा।"

जनशिकायत निस्तारण में पीलीभीत पुलिस का उत्तर प्रदेश मे प्रथम स्थान

थाना अमरिया की टीम को किया गया सम्मानित

(जीएनएस)।

पीलीभीत। जनपद पीलीभीत पुलिस ने जनशिकायतों के गुणवत्तापूर्ण, त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर संपूर्ण उत्तर प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। पुलिस कार्यालय/आईजीआरएस पोर्टल पर जनवरी माह की मासिक रैंकिंग में यह उपलब्धि हासिल की गई इस सफलता में थाना अमरिया का

योगदान सराहनीय रहा। पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव ने थानाध्यक्ष अमित सिंह, आईजीआरएस प्रभारी दीपक कुमार एवं उनकी टीम को पुलिस कार्यालय/आईजीआरएस तथा सीएम हेल्पलाइन पर प्राप्त प्रार्थना पत्रों के समयबद्ध एवं संतोषजनक निस्तारण के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उत्साहवर्धन किया।पीलीभीत पुलिस के ये निरंतर प्रयास जनता की शिकायतों के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ते हैं, जो प्रशासनिक पारदर्शिता को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

क्षेत्राधिकारी रामनगर गरिमा पंथ की अध्यक्षता मे मसौली थाना आगामी रमजान और होली त्यौहार को लेकर बैठक हुई संपन्न

(जीएनएस)।

मसौली बाराबंकी। क्षेत्राधिकारी रामनगर गरिमा पंथ की अध्यक्षता मे मंगलवार को आगामी रमजान और होली त्यौहार को शांति एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के उद्देश्य से शांति समिति की बैठक सम्पन हुई।

बैठक मे क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, धर्मगुरुओं, ग्राम प्रधानों से रूबरू होते हुए क्षेत्राधिकारी गरिमा पंथ ने कहा कि त्योहार भाईचारे का प्रतीक हैं तथा आपसी भाईचारे का संदेश देता है। इससे लोगों को सीख लेनी चहिए। रंग-गुलाल उड़ाते समय बवाल न करें ताकि होली का पर्व सुखमय तरीके से संपन्न हो। उन्होंने कहा कि रमजान एव होली त्यौहार एक साथ पड़ रहे हैं जिसमे आप सभी लोगो को जिम्मेदार नागरिक होने का परिचय देना है आप सभी लोग मिलजुलकर अपना अपना त्यौहार मनाये और किसी भी व्यक्ति को कानून व्यवस्था बिगाड़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर भ्रामक या आपत्तिजनक पोस्ट करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी तथा पुराने स्थानों पर ही होलिका दहन किया जाएगा तथा कोई नई परम्परा नहीं डाली जायेगी।

प्रभारी निरीक्षक अजय प्रकाश त्रिपाठी ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना पुलिस को दें उन्होंने रमजान के दौरान नमाज के समय व होली के जुलूसों के दौरान विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिये उन्होंने डीजे की आवाज निर्धारित मानकों के अनुरूप रखने और जबरन रंग डालने या हुड़दंग जैसी घटनाओं को प्रतिबंधित करने पर जोर दिया। प्रभारी निरीक्षक अजय प्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि होली मे रंग खेलते समय किसी तरह का कोई व्यावधान न उत्पन हो उसके लिए गांव के जिम्मेदार लोगो को वालिंटियर के रूप मे बना दे जो सभी तरह की नजर रखेंगे। उन्होंने पीस कमेटी के सदस्यों से प्रशासन का सहयोग करने की अपील की। बैठक में मौजूद धर्मगुरुओं और क्षेत्रीय प्रतिनिधियों ने प्रशासन को पूर्ण सहयोग का आश्वासन देते हुए शांति और सद्भाव बनाए रखने का संकल्प लिया।

बैठक मे अतरिक्त प्रभारी निरीक्षक सनत मिश्रा, चौकी सहादतगंज संतोष त्रिपाठी, कस्बा प्रभारी अभय गुप्ता, त्रिलोकपुर संजय यादव, उपनिरीक्षक राशिद खान, भाजपा नेता शशि गुप्ता, ग्राम प्रधान विनोद वर्मा, गुड्डू मौर्य, रामसिंह यादव, मित्तल कुमार, दिलीप कुमार दीक्षित, पूर्व प्रधान रमेश यादव, हारिश शौकत, अबरार बीडीसी, प्रेमनंद वर्मा, धीरज कुमार सुरसंडा, स तमाम सम्भ्रान्त व्यक्ति मौजूद रहे।

पत्नी से मिलने बुलाकार दामाद की हत्या की: बाप-बेटों ने सीने में मारे चाकू, 2 साल पहले की थी लव मैरिज

(जीएनएस)।

पीलीभीत,लखनऊ में ससुराल आए दामाद की हत्या कर दी गई। विदाई के बहाने बुलाकर ससुर और सालों ने बेरहमी से पिटाई की। पेट और सीने में चाकू घोंप दिया। उपचार के उसे अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

उसके साथ आए भाई को भी चोट आई है। पुलिस ने आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है।

घटना 16 फरवरी, सोमवार देर रात काकोरी थाना क्षेत्र के लालता खेड़ा गांव में हुई। मृतक की पहचान रामसागर (24) के रूप में हुई। वह पीलीभीत जिले के माधव टांडा का रहने वाला था। उसने लालता खेड़ा गांव की रहने वाली कामिनी से 2 साल लव मैरिज की थी। इसका कामिनी के मायके वाले विरोध कर रहे थे।

पीलीभीत जिले के माधव टांडा के रहने वाले रामसागर ने दिसंबर 2024 में कामिनी पुत्री भीमा गौतम निवासी ग्राम लालताखेड़ा थाना काकोरी से लव मैरिज की थी। दोनों ने घर से भागकर पहले पीलीभीत के एक मंदिर

में शादी की थी। बाद में कोर्ट मैरिज कर ली थी।

इसके बाद दोनों पीलीभीत में रहने लगे थे। कुछ दिन बाद कामिनी के मायके वाले पीलीभीत गए। रामसागर और कामिनी की रीति-रिवाज से शादी कराने की बात की। इसके बाद कामिनी को लालताखेड़ा गांव ले गए।

मृतक के भाई राहुल गौतम ने बताया- कामिनी को लालताखेड़ा लाने के बाद उसके मायके वालों ने उसे रामसागर को भूल जाने को कहा। उसे रामसागर से मिलने नहीं दिया। हालांकि, चोरी-छिपे कामिनी रामसागर से बात करती रही। इस बीच उसके मायके वालों ने उसकी दूसरी जगह शादी तय करनी चाही। कामिनी ने फोन करके इसकी जानकारी रामसागर को दी।

विदाई करने के बहाने बुलाया

राहुल गौतम ने बताया- 16 फरवरी को कामिनी के पिता भीमा, भाई सुमित और अमित ने विदाई के बहाने रामसागर को लालताखेड़ा बुलाया। रामसागर मेरे साथ लालताखेड़ा आए। भीमा, सुमित, अमित और पंकज (कामिनी का मौसेरा भाई) निवासी ग्राम लोनहा थाना बंथरा बात करने के बहाने रामसागर को गांव के बाहर ले गए।

उनसे कामिनी से रिश्ता खत्म करने को कहा। इस दौरान विवाद हो गया। इसके बाद भीमा, सुमित, अमित और पंकज ने रामसागर की पिटाई शुरू कर दी। पेट और सीने में चाकू घोंपा

राहुल गौतम ने बताया- भीमा, सुमित, अमित और पंकज ने रामसागर को बेरहमी से पीटा। इस दौरान सुमित ने रामसागर के पेट और सीने में चाकू घोंप दिया। मैंने बीच-बचाव किया, तो मुझे भी पीटा। शोर-शराबा होने पर आसपास के लोग और राहगीर आ गए।

इस पर हमलावर फरार हो गए। रामसागर को एम्बुलेंस बुलाकर सरोजनीनगर सीएचसी ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इंस्पेक्टर सतीश चंद्र राठौर ने बताया कि शिकायत के आधार पर भीमा, सुमित, अमित और पंकज के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

चारों आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। गांव में एहतियातन पुलिस बल तैनात किया गया है। मामले की हर एंगल से जांच की जा रही है।

दूसरों को स्वस्थ रखने वाला आरोग्य केंद्र हुआ अस्वस्थ

(एजेंसी)।

उतरौला (बलरामपुर) तहसील क्षेत्र के विकास खण्ड ग्राम चन्दापुर में बने आरोग्य मंदिर अक्सर बंद रहता है। इसके बने पूराने भवन जीर्ण-शीर्ण हो जाने से खण्डहर होते जा रहे हैं। पुरानी भवन के दरवाजे खिड़कियां नदारद हो गए है विकास खण्ड श्रीदत्तगंज क्षेत्र के ग्राम चन्दापुर में स्वास्थ्य विभाग ने ग्रामीण महिलाओं, गर्भवती महिलाओं, बच्चों के टीकाकरण व संचारी रोगो के नियंत्रण के लिए स्वास्थ्य उपकेंद्र का निर्माण दसों वर्ष पहले बनवाया था लेकिन विभाग की देखरेख के अभाव में भवन दिन-प्रतिदिन जर्जर होता गया। उसके निर्माण मानक के विपरीत होने से बरसात में छतों दरार हो जाने से छतों का पानी कमरों में गिरता

है। इसके दरवाजे खिड़कियां गायब हो गए हैं। तीन कमरों के बने इस भवन में विभागीय कर्मचारियों के न बैठने से भवन खण्डहर होता गया। विभाग ने इसके जर्जरता को देखते हुए एक कमरे का आयुष्मान भवन बंनवा दिया लेकिन उसमें तैनात एएनएम ताला लगाकर गायब रहती है। आरोग्य भवन में ताला बंद रहने से क्षेत्रीय ग्रामीण, महिलाएं व गर्भवती महिलाएं अपना इलाज कराने श्रीदत्तगंज अथवा उतरौला या जिला मुख्यालय को जाना पड़ता है। बच्चों के टीकाकरण के लिए शहरों को जाना पड़ता है। आयुष्मान आरोग्य मंदिर भवन में बेसिक सुविधाएं भी स्वास्थ्य विभाग ने उपलब्ध नहीं करा रखा है। स्वास्थ्य की अकर्मण्यता से क्षेत्र के बीमार ग्रामीण शहरों के सरकारी अस्पताल व निजी अस्पतालों का सहारा लेना पड़ता है।

मुड़िया हुलास में भंडारे का आयोजन, जनप्रतिनिधियों ने लिया प्रसाद

(जीएनएस)।

बीसलपुर (पीलीभीत)। तहसील क्षेत्र के ग्राम मुड़िया हुलास में धार्मिक भंडारे का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में क्षेत्र के कई गणमान्य लोग व ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

इस अवसर पर सपा नेत्री दिव्या गंगवार तथा समाजसेवी चौधरी प्रदीप पटेल ने अपने सहयोगियों के साथ पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया और आयोजन की सराहना की। वहीं रूपलाल माहतिया सहित अन्य ग्रामीणों ने अतिथियों का स्वागत किया।

कार्यक्रम के उपरांत सभी ने स्वर्गीय हरीश गंगवार के आवास पर पहुंचकर परिजनों को सांत्वना दी तथा कुशलक्षेम जाना। इस दौरान दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई।

भंडारे में गांव सहित आसपास के क्षेत्रों से आए श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया और सामाजिक एकता व सद्भाव का संदेश दिया। आयोजन शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ।

भारतीय किसान यूनियन भानु संगठन का बढ़ रहा जनाधार

(एजेंसी)।

भारतीय किसान यूनियन भानु, व्यापार प्रकोष्ठ मंडल कार्यालय बाराबंकी पर सदस्ता अभियान चलाया गया जिसमे प्रदेश महासचिव रणवीर सिंह राठौड़, मंडल अध्यक्ष व्यापार प्रकोष्ठ अयोध्या सिद्धान्त सिंह व जिलाध्यक्ष व्यापार प्रकोष्ठ शुभम वर्मा की अध्यक्षता में राहुल यादव जी को जिला उपाध्यक्ष व्यापार प्रकोष्ठ ,

चंदन वर्मा जी को जिला महासचिव व्यापार प्रकोष्ठ बाराबंकी , दुष्यंत यादव जी को नगर अध्यक्ष व्यापार प्रकोष्ठ बाराबंकी , सिद्धार्थ वर्मा जी को नगर सचिव व्यापार प्रकोष्ठ बाराबंकी , विमल सैनी जी तहसील अध्यक्ष फतेपुर व्यापार प्रकोष्ठ,

रवींद्र यादव जी को नगर मंत्री व्यापार प्रकोष्ठ बाराबंकी के पद पर मनोनीत किया और संगठन ने विश्वास जताया की इनके आने से संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी।

इस अवसर पर संगठन के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

चौसरा में नाला निर्माण पर विवाद, गुणवत्ता व जांच प्रक्रिया पर उठे सवाल

(जीएनएस)।

बीसलपुर (पीलीभीत)। तहसील क्षेत्र के ग्राम चौसरा में चल रहे नाला निर्माण कार्य को लेकर ग्रामीणों में असंतोष बढ़ता जा रहा है। गांववासियों ने निर्माण कार्य में अनियमितता तथा मानकों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए उच्चस्तरीय जांच की मांग की है।

ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण कार्य में निर्धारित गुणवत्ता की सामग्री का प्रयोग नहीं किया जा रहा। उनका कहना है कि नाले में पीली ईंट और स्थानीय रेत का उपयोग किया जा रहा है, जिससे निर्माण की मजबूती पर प्रश्नचिह्न लग रहा है। ग्रामीणों का दावा है कि उनके पास निर्माण कार्य से संबंधित वीडियो साक्ष्य भी मौजूद हैं।

ठेका आवंटन को लेकर भी गांव में चर्चा का माहौल है। कुछ ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि कार्य में पारदर्शिता नहीं बरती गई। वहीं, विभागीय जेई द्वारा निरीक्षण के दौरान ठेकेदार के वाहन से मौके पर पहुंचने को लेकर भी निष्पक्षता पर सवाल उठाए जा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जांच प्रक्रिया पूरी तरह स्वतंत्र और पारदर्शी होनी चाहिए।

इस संबंध में निर्माण कार्य से जुड़े पक्ष का कहना है कि सभी कार्य विभागीय मानकों के अनुरूप कराए जा रहे हैं और आरोप निराधार हैं। उनका कहना है कि यदि किसी को आपत्ति है तो वह सक्षम अधिकारी के समक्ष लिखित शिकायत प्रस्तुत कर सकता है।

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि पूरे मामले की स्वतंत्र तकनीकी जांच कराई जाए और यदि कहीं अनियमितता पाई जाए तो संबंधित जिम्मेदारों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए। उन्होंने चेतावनी दी है कि समय रहते कार्रवाई न होने पर वे जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे।

फाइलेरिया दवा से 3 महिलाओं की बिगड़ी तबीयत: गांव में दहशत, विभाग ने कहा 'सुरक्षित'

पीलीभीत, हजारा थाना क्षेत्र के ग्राम चंदिया हजारा में फाइलेरिया उन्मूलन अभियान के तहत दवा का सेवन करने के बाद तीन महिलाओं की हालत बिगड़ने का मामला सामने आया है। इस घटना के बाद से ग्रामीणों में डर और असमंजस का माहौल है, हालांकि स्वास्थ्य विभाग ने दवा को पूरी तरह सुरक्षित बताया है।

परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार, मंगलवार सुबह करीब 11 बजे चंदिया हजारा निवासी ललिता (पत्नी विवेक मालिक) और रीना (पत्नी रॉबिन) की तबीयत अचानक खराब हो गई। दोनों महिलाओं को लगातार उल्टियां, अत्यधिक कमजोरी और चक्कर आने की शिकायत होने लगी। उन्हें तुरंत एम्बुलेंस बुलाकर पूरनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (उल्हउ) में भर्ती कराया गया।

इसी गांव की एक अन्य महिला बसंत (पत्नी वीरेंद्र दास) की हालत सोमवार को ही बिगड़ गई थी। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया था, जहां उनका उपचार जारी है। बताया जा रहा है कि इन तीनों महिलाओं ने 13 फरवरी को फाइलेरिया उन्मूलन अभियान के दौरान स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा दी गई दवा का सेवन किया था।

इस पूरे मामले पर प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. मनीष राज शर्मा ने बताया कि उल्हउ में भर्ती महिलाओं की स्थिति अब स्थिर है। उन्होंने स्पष्ट किया कि महिलाओं ने दवा 13 फरवरी को खाई थी, इसलिए वर्तमान में तबीयत बिगड़ने का कारण कुछ और भी हो सकता है।

दूसरी ओर, सीएमओ आलोक कुमार ने दवा की सुरक्षा पर जोर देते हुए कहा कि जनपद में फाइलेरिया मुक्ति के लिए दवा वितरण का अभियान चल रहा है और यह दवा पूरी तरह सुरक्षित है। उन्होंने बताया कि यदि कोई व्यक्ति खाली पेट दवा का सेवन करता है, तो उसे उल्टी की शिकायत हो सकती है। इसके

लखनऊ में शिष्टाचार भेंट: डॉ. डीपी गंगवार ने जल शक्ति मंत्री को दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

(जीएनएस)।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के जल शक्ति विभाग के कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह के जन्मदिन के अवसर पर राजधानी स्थित उनके आवास पर बधाई देने वालों का दिनभर तांता लगा रहा। विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक और व्यावसायिक क्षेत्रों से जुड़े लोगों ने पहुंचकर उन्हें शुभकामनाएं दीं।

इसी क्रम में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (क्टअ) के प्रेसिडेंट इलेक्ट, समाजसेवी एवं 130 विधानसभा बीसलपुर के पूर्व प्रत्याशी डॉ. डीपी गंगवार ने भी लखनऊ स्थित मंत्री आवास पर पहुंचकर शिष्टाचार भेंट की और जन्मदिन की बधाई दी। उनके साथ अमन क्राइम न्यूज के प्रतिनिधि सुमित अवस्थी भी मौजूद रहे।

डॉ. गंगवार ने मंत्री को पुष्पगुच्छ भेंट करते हुए उनके दीघार्यु, उत्तम स्वास्थ्य और सफल कार्यकाल की कामना की। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण, सिंचाई व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने तथा बाढ़ नियंत्रण जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में विभाग द्वारा किए जा रहे कार्य प्रदेश के विकास में अहम भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि आगामी समय में भी जनहित की योजनाओं को गति मिलेगी।

गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश सरकार में जल शक्ति विभाग की जिम्मेदारी संभाल रहे मंत्री स्वतंत्र देव सिंह इससे पूर्व परिवहन एवं ऊर्जा विभाग (स्वतंत्र प्रभार) के राज्यमंत्री रह चुके हैं और भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी भी निभा चुके हैं।

मुलाकात के दौरान सामाजिक सरोकारों, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार तथा ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने जैसे मुद्दों पर भी चर्चा हुई। मंत्री ने डॉ. गंगवार द्वारा किए जा रहे चिकित्सीय एवं सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें निरंतर जनसेवा के लिए प्रेरित किया।

सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई इस भेंट के दौरान उपस्थित लोगों ने भी मंत्री को जन्मदिन की बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

युवक पर धारदार हथियार से हमला, कोतवाली में दी तहरीर

(जीएनएस)।

पीलीभीत/ बीसलपुर शहर के मोहल्ला हबीबुल्ला खां जनूबी मे घर के हिस्से को लेकर हुए विवाद में एक युवक पर धारदार हथियार से हमला करने की घटना प्रकाश मे आयी है। पीड़ित ने कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

नवीन चंद्र श्रीवास्तव ने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि 17 फरवरी 2026 की सुबह लगभग 9:15 बजे वह अपने घर पर टैंक के लिए गड्ढा खुदवा रहे थे। उसी समय हाथ में बांका (धारदार हथियार) लेकर मेरे भाई गोपाल चंद्र श्रीवास्तव मौके पर पहुंच गये और गाली-गलौज करते हुए हमला कर दिया। आरोप है कि हमलावर ने जान से मारने की धमकी देते हुए उनके सिर पर वार कर दिया, जिससे उन्हें गंभीर चोट आई।

पीड़ित के अनुसार शोर सुनकर उनका पुत्र मौके पर पहुंचा, जिसके हस्तक्षेप से जान बच सकी। घटना के बाद घायल ने कोतवाली बीसलपुर पहुंचकर लिखित तहरीर दी और आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

कोतवाली पुलिस का कहना है कि तहरीर प्राप्त हो गई है और मामले की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

माननीय जनपद न्यायाधीश द्वारा विधिक सेवा प्रचार हेतु विधिक सेवा प्राधिकरण के न्याय वाहन/न्याय रथ को हरी झंडी दिखा कर किया गया शुभारंभ

(जीएनएस)।

माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयागराज श्री सत्य प्रकाश त्रिपाठी द्वारा दिनांक 14.03.2026 (शनिवार) को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता हेतु जनपद न्यायालय परिसर, प्रयागराज से प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। साथ ही उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण से प्राप्त जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के न्याय वाहन/ न्याय रथ को हरी झंडी दिखा कर प्रचार का शुभारंभ किया गया। प्रचार वाहन के साथ समस्त बैंकों के प्रबंधकगण व जिला अग्रणी प्रबंधक, बैंक ऑफ

बड़ौदा उपस्थित रहे। प्रचार वाहन के साथ पराविधिक स्वयंसेवक ने पूरे शहर में लोक अदालत का प्रचार प्रसार किया। इस मौके पर श्री राम प्रताप सिंह राणा अपर जनपद न्यायाधीश, प्रथम, श्री रविकांत नोडल ऑफिसर लोक अदालत/एडीजे, श्री राहुल सिंह अपर जनपद न्यायाधीश,श्रीमती तृषा मिश्रा मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रयागराज व श्री शशि कुमार, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे। दिनांक 14.03.2026 को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत का प्रचार प्रसार पूरे जनपद में किया गया । समस्त जनमानस से अनुरोध है दिनांक 14.03.2026 को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में अपने मुकदमे को चिन्हित कर स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के साथ उपस्थित हो कर उसका निस्तारण कराए। यह जानकारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री शशि कुमार द्वारा प्रदान की गई।

फूल बाबू के बीसलपुर पहुंचने पर हुआ भव्य स्वागत स्वागत यात्रा में भीड़ जुटाकर सपाईयों ने किया शक्ति प्रदर्शन

(जीएनएस)।

पीलीभीत/बीसलपुर समाजवादी पार्टी में शामिल हुए पूर्व मंत्री अनीस अहमद खां उर्फ फूल बाबू के लखनऊ से बीसलपुर पहुंचने पर कार्यकताओं ने फूल मालाओं से उनका भव्य स्वागत किया। स्वागत काफिले में कार्यकताओं ने भीड़ जुटा कर अपनी शक्ति का प्रदर्शन किया। फूल बाबू लखनऊ से दोपहर 12:00 बजे बीसलपुर शाहजहांपुर मार्ग पर स्थित ग्राम खनका पहुंचे। यहां उनका स्वागत किया गया। इसके बाद शिवपुरी नवदिया, रोहनिया, चीनी मिल मार्ग, ईदगाह चौराहा, पटेल नगर पुलिया व 12 पत्थर चौराहे सहित एक दर्जन स्थानों पर फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया गया। इस मौके पर फूल

बाबू ने कहा कि जनपद में समाजवादी पार्टी को मजबूत करने के लिए जी जान से काम करेंगे। कार्यकर्ता पार्टी की सबसे बड़ी ताकत है उनके साथ 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव में जनपद की सभी विधानसभा सीटों पर सपा प्रत्याशियों को जीतने के लिए पूरी ताकत लगाएंगे। पीलीभीत में अब समाजवादी की पार्टी सबसे मजबूत पार्टी बनकर उभरेगी। स्वागत के काफिले में बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ता व समर्थकों की भीड़ जुटी। स्वागत करने वाले में सपा के विधानसभा अध्यक्षशैलेश शर्मा, जिला सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष शकील अहमद खां, सपा लोहिया वाहिनी के पूर्व जिला अध्यक्ष राम प्रताप गंगवार, अनीस बेग, पूर्व जिला पंचायत सदस्य गायत्री गंगवार, जितेंद्रगंगवार, रमेश शुक्ला, मोहम्मद सारिक, भूरा, मुक्तदर हयात खान, बलीउल्ला, अहमद रजा खां, उमेश मिश्रा, ध्रुव पांडे, गिरीश मिश्रा, निखिलेश दुबे, मुकेशदुबे, वीरेंद्र मिश्रा, अभिषेक गंगवार, योगेंद्र पाल सहित सैकड़ो कार्यकर्ता व समर्थक शामिल थे।

जंग-ए-आजादी में संघर्ष करने वाले रफी अहमद किदवई अब अतीत की स्मृतियों में गए खो

(जीएनएस)।

मसौली बाराबंकी। देश के लिए जंग-ए-आजादी में संघर्ष करने वाले रफी अहमद किदवई अब अतीत की स्मृतियों में खो गए हैं। जिले के इस सपूत की स्मृतियां को संजोने के प्रयास प्रशासन की ओर से नहीं किए गए। मसौली कस्बे में रफी साहब की याद में संगमरमर से बनाया गया स्मारक भले ही उनकी गौरव गाथा गा रहा हो, पर उनके नाम से बने बने प्रतिष्ठान व उनका मकबरा आज अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है।

जिला मुख्यालय से 15 किलोमीटर दूर मसौली कस्बा में 18 फरवरी 1894 में एक मध्यम वर्गीय जमीदार इम्तियाज अली के घर जन्मे रफी अहमद शिक्षण के दौरान महात्मा गांधी की अपील पर जंग-ए-आजादी में कूद पड़े। अपनी असाधारण संगठन शक्ति के चलते वह शीघ्र ही आजादी के मतवालों की अग्रिम कतार में पहुंच गए। रफी साहब ने महात्मा गांधी व नेहरू से प्रभावित होकर स्वतंत्रता आंदोलन में जाने का कदम उठाया जिसके चलते जेल जाने के बाद भी एक नए जोश के साथ ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ जन सभाए कर लोगों को प्रेरित किया। किसानों को जमींदारी प्रथा से मुक्त कराने के लिए उन्होंने कृष्णानंद खरे के साथ किए गए आंदोलन को भी याद किया जाता रहेगा।

कस्बा मसौली के स्वतंत्रता सेनानी अजीमुद्दीन, अब्दुल हलीम को लेकर बड़ा गांव के जमीउल रहमान किदवई के यहां एक मीटिंग की गई, जिसमें विद्रोह का कार्यक्रम बनाया गया और बिंदौरा रेलवे स्टेशन में तोड़फोड़ की गई। रफी साहब के साहस और जोश

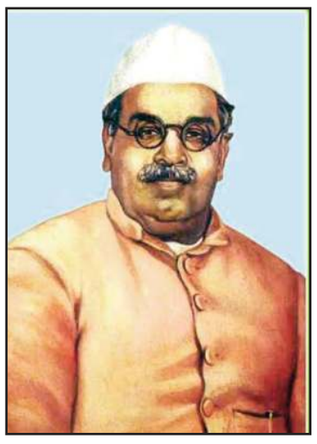

को देखकर सैकड़ों स्वतंत्रता के आंदोलन में कूद पड़े। रफी साहब ने कारावास की सजा ही नहीं काटी बल्कि देश की आजादी के संघर्ष में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। देश का यह सच्चा सपूत 24 अक्टूबर 1954 को सदा के लिए सो गया।

रफी साहब की मौत की खबर पर मसौली कस्बा पहुंचे तत्कालीन देश के प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने उनका मकबरा व बाग बगीचा बनवाए जाने की बात कही थी। रफी साहब को जहां पर सुपुर्दे खाक किया गया वहीं पर संगमरमर का खूबसूरत मकबरा बनवा कर फव्वारे लगाए गए तथा बगीचा विकसित किया गया। परन्तु प्रशासनिक लापरवाही एक देखरेख के आभाव में संगमरमर के बने मकबरे एव फव्वारों में टूट फुट शुरू हो गयी है तथा बगीचे का पूरी तरह खत्म हो गया है।

पीलीभीत: न्यायालय के अतिक्रमण हटाने आदेश की अनदेखी, लेखपाल पर दबाव बनाने का आरोप

(जीएनएस)।

पीलीभीत। जिले के तहसील कलील नगर थाना गजरौला क्षेत्र के ग्राम नवदिया शिवनगर में भूमि अतिक्रमण को लेकर विवाद ने तूल पकड़ लिया है। पूर्व निवासी सोनू गोस्वामी ने संदर्भ संख्या 40015126003167 वाली शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें गाटा संख्या 239 (रकबा 1.904 हेक्टेयर, खतौनी श्रेणी 6-2) पर दुगार्नाथ पुत्र माखन लाल के अवैध कब्जे का मामला उठाया गया है।शिकायतकर्ता सोनू गोस्वामी ने बताया कि कम्प्यूटरीकृत वाद संख्या ळ202212560401344 में 6 अगस्त 2024 को न्यायालय ने दुगार्नाथ के खिलाफ अवैध अतिक्रमण हटाने और बेदखली का स्पष्ट आदेश जारी किया था। इसके बावजूद लेखपाल प्रशांत गंगवार ने प्रार्थी और उसके परिवार पर दबाव बनाकर 16 सितंबर 2025 को ग्राम शिवनगर से उन्हें पलायन करने पर मजबूर कर दिया। सोनू ने आरोप लगाया कि दुगार्नाथ पुत्र माखन लाल अब न्यूरानपुर मुड़िया थाना दियूरिया में रहने लगा है।इसके अलावा, ग्राम के महेश सक्सेना पुत्र अज्ञात, ओमपाल पुत्र आशेराम और अन्य सत्ताधारी अज्ञात लोगों ने सांठगांठ कर प्रार्थी के स्वर्गीय नाना जगन्नाथ द्वारा बनवाए गए आवासीय मकान पर कब्जा करा दिया और वहां किसी ग्रामीण को बसा दिया। राजस्व एवं आपदा विभाग में दर्ज इस शिकायत (श्रेणी: कोर्ट के आदेश-अमल दारामद वकील/नामांतरण संबंधित) में सोनू गोस्वामी ने मांग की है कि न्यायालय आदेश के अनुपालन में पूरे मकान पर बुलडोजर चलाकर अतिक्रमण हटाया जाए। ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासनिक लापरवाही से न्यायिक आदेशों का पालन नहीं हो पा रहा। जिला प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग उठ रही है। स्थिति 16 फरवरी 2026 तक अपरिवर्तित बनी हुई है।

शैक्षिक दक्षता में वृद्धि के लिए आयोजित हुई पंचायत स्तर पर संकुल बैठक

कंपोजिट स्कूल हसनपुर टांडा में पंचायत स्तर संकुल शिक्षक बैठक संपन्न

(जीएनएस)।

बाराबंकी: फतेहपुर ब्लॉक के विभिन्न न्याय पंचायत क्षेत्रों में संकुल बैठक का आयोजन हुआ। इसी क्रम में मंगलवार को हसनपुर टांडा न्याय पंचायत की बैठक कंपोजिट स्कूल हसनपुर टांडा में नोडल सुनीत वर्मा के निर्देशन में आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलन, माल्यार्पण एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया।

हसनपुर न्याय पंचायत के बैठक प्रभारी सुनीत वर्मा ने ने विभिन्न

एजेंडा बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की जिसमें मुख्य रूप से टीएलएम आधारित शिक्षण, एसेसमेंट बिल्डिंग शेयरिंग , पाठ्योजना आधारित शिक्षण का प्रस्तुतीकरण आदि पर चर्चा शामिल रही, शिक्षकों के बीच आपसी संवाद, अनुभव साझा करने, समस्याओं के समाधान तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए सामूहिक प्रयासों पर विशेष बल दिया गया। संकुल बैठक को शिक्षकों की शैक्षणिक दक्षता बढ़ाने, नवाचार को प्रोत्साहित करने एवं निपुण भारत मिशन के लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में अत्यंत उपयोगी बताया गया। हसनपुर टांडा के इंचार्ज प्रधानाध्यापक राम सुचित ने सभी का धन्यवाद दिया। बैठक में डॉ विकास चंद्र शर्मा, मोहम्मद इरफान, अर्जुन प्रसाद, सत्य प्रकाश वर्मा, सुरेश चंद्र, रोहित वर्मा व संकुल के समस्त शिक्षकों ने प्रतिभाग किया।

हजारा पुलिस ने संपत्ति के लालच में ताई की हत्या करने वाले भतीजे समेत 2 हत्यारों को दबोचा

(जीएनएस)।

पीलीभीत, 17 फरवरी 2026। थाना हजारा पुलिस ने पुलिस अधीक्षक पीलीभीत के निर्देशन में मु0अ0सं0 16/2026 धारा 103(1)/3(5) बीएनएस के दो वांछित हत्यारों को भूरजनिया मोड़ से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। अभियुक्तों में सर्वजीत सिंह उर्फ बिल्लू पुत्र प्यारा सिंह निवासी सिद्धनगर और विजय कुमार कम्बोज पुत्र ज्वाराराम मूल निवासी खानपुर थाना गदरपुर उधम सिंह नगर (हाल सिद्धनगर) शामिल हैं।

घटना 14 फरवरी की रात की है

जब बुजुर्ग कमलजीत कौर (60) उम्र की गोद ली पुत्री रंजीत कौर व दामाद हरसिमरन सिंह उर्फ साहब सिंह शादी समारोह में गए थे। इसी दौरान भतीजे सर्वजीत ने संपत्ति के लालच में विजय को प्रलोभन देकर ताई का गला दबाकर हत्या कर दी तथा दोनों फरार हो गए। सर्वजीत को आशंका थी कि कमलजीत अपनी चल-अचल संपत्ति दामाद के नाम कर देंगी।सर्वजीत का अपराधिक इतिहास लंबा है जिसमें पूरनपुर थाने में 302/393/120बी भादवि, आर्म्स एक्ट व अन्य मामले दर्ज हैं। गिरफ्तारी टीम में थानाध्यक्ष शरद यादव, उ0नि0 अमित कुमार, राहुल शर्मा, का0 सचिन कुमार व धीरज मलिक शामिल रहे। विधिक कार्रवाई पूरी कर दोनों को न्यायालय ने जेल भेज दिया।